ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग

गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय

उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 04-01-2022

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2022-01-04 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2022-01-05	2022-01-06	2022-01-07	2022-01-08	2022-01-09
वर्षा (मिमी)	1.0	8.0	3.0	0.0	12.0
अधिकतम तापमान(से.)	21.0	17.0	19.0	19.0	17.0
न्यूनतम तापमान(से.)	10.0	10.0	7.0	8.0	6.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	95	95	80	70	85
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	65	65	60	60	65
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	6.0	6.0	6.0	6.0	12.0
पवन दिशा (डिग्री)	300	100	120	120	100
क्लाउड कवर (ओक्टा)	4	7	4	6	7

मौसम सारांश / चेतावनी:

विगत सात दिनों (28 दिसम्बर 2021 – 3 जनवरी, 2022) में 0.0 मिमी वर्षा हुई व आसमान साफ रहने के साथ बादल छाये रहे। अधिकतम तापमान 17.5 से 24.0 डि0से0 एवं न्यूनतम तापमान 4.9 से 11.0 डि0से0 के बीच रहा तथा वायु में सुबह 0712 बजे सापेक्षित आर्द्रता 88 से 97 प्रतिशत व दोपहर 1412 बजे सापेक्षित आर्द्रता 26 से 71 प्रतिशत एवं हवा 1.2 से 3.8 कि0मी0 प्रति घंटा की गति से मुख्यतः पश्चिम-उत्तर-पश्चिम व पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम दिशा से चली। 4 से 6 तथा 8 जनवरी को बूंदा-बांदी व हल्की वर्षा की सम्भावना है। अधिकतम एवम् न्यूनतम तापमान क्रमश: 17.0 से 21.0 व 6.0 से 10.0 डिग्री सेल्सियस रहेगा| हवा के 6.0-13.0 किमी/घंटे की गति से पश्चिम-उत्तर-पश्चिम व पूर्व-दक्षिण-पूर्व दिशा से चलने का अनुमान है। 5 व 6 जनवरी को कहीं-कहीं कोल्ड डे की स्थिति रहने की संभावना है। ईआरएफएस के अनुसार, 9 से 15 जनवरी के दौरान राज्य में वर्षा सामान्य से अधिक, अधिकतम तापमान सामान्य से कम व न्यूनतम तापमान सामान्य रहने का अनुमान हैं।

सामान्य सलाहकार:

किसान भाई पिछले सप्ताह के मौसम, मौसम पूर्वानुमान और मौसम आधारित कृषि सलाह प्राप्त करने के लिए "मेघदूत ऐप" तथा आकाशीय बिजली के पूर्वानुमान हेतु "दामिनी एप" डाउनलोड करें। मेघदूत व दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ताओं) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ताओं) से डाउनलोड किया जा सकता है| सरदी से बचाव के लिए पशुघर का प्रबंध ठीक से करें तथा पशुओं को गुड़ व अजवायन खिलाएं, यह उन्हें गर्मी और ऊर्जा देता है। गुड़ व अजवायन को पानी में मिलाकर न खिलायें। आगामी दिनों में वर्षा की सम्भावना है व वर्षा के बाद तापमान में गिरावट आयेगी जिससे सब्जि वर्गीय फसलों पर इसका विपरीत प्रभाव पड़ सकता है, जिसके बचाव हेतु खेत के चारों ओर धुआं कर सकते है।

लघु संदेश सलाहकार:

4 से 6 तथा 8 जनवरी को बूंदा-बांदी व हल्की वर्षा की सम्भावना है। 5 व 6 जनवरी को कहीं-कहीं कोल्ड डे (शीत दिवस) की स्थिति बनने की संभावना है।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	आगामी दिनों में वर्षा की सम्भावान को देखते हुए गेहूँ की फसल में सिंचाई न करें। फसलों में वर्षा के बाद तापमान में गिरावट आने से पत्तियॉ पीली पड़ सकती है। अतः पत्तियॉ पीली पड़ने पर, इसके रोकथाम हेतु 2 प्रतिशत यूरिया व 0.5 प्रतिशत जिंक का छिड़काव करे। जनवरी माह में गेहूँ की बुवाई न करें क्योंकि जनवरी माह में गेहूँ की बुवाई करने पर 60-65 कि0ग्रा0/है0/दिन की दर से कमी आती है तथा फसल पकने के समय गर्म हवा चलने से गेहूँ के दाने बहुत ही पतले हो जाते है।
सरसों	आने वाले दिनों में बारिश होने की संभावना है और उसके बाद तापमान में बहुत गिरावट आ सकती है, इसलिए फसल को इसके प्रभाव से बचाने के लिए खेत के चारों ओर धुआं कर सकते है। सरसों में माहुँ का प्रकोप होने पर थायमेथोक्जाम 25 डब्लू जी की 50-100 ग्रा0 मात्रा का 600-700 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव मौसम साफ होने पर करें।
चना	वर्षा के बाद तापमान में गिरावट से चने की वृद्धि में कमी व पत्तियों और प्रकंदों की अकाल मृत्यु हो सकती है, इससे बचाव हेतु,खेत के चारों ओर धुआं कर सकते है।
लहसुन	लहसून की पत्तियाँ पीली पड़ने की स्थिति में, टेबुकोनाजोल का 1 मिली/लीटर+प्रोफेनोफोस का 1 मिली/लीटर की दर से छिड़काव मौसम साफ होने पर करें।
रेपसीड	आगामी दिनों में वर्षा की सम्भावना है, अतः जिन किसान भाईयों की लाही की कटाई पूर्ण हो गई है उसको सुरक्षित स्थान पर भंडारित करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
आलू	आगामी दिनों में वर्षा की सम्भावना है, तद्पश्चात तापमान में गिरावट आयेगी जिससे आलू में झुलसा रोग काप्रकोप बड़ सकता है। अतः आलू के पछेती झुलसा रोग के प्रकोप से बचाव हेतु, आलू उत्पादक किसान भाईयों को सलाह दी जाती है कि इस स्थिति में साइमोक्जेनिल + मैन्कोजेब अथवा डाइमिथोमार्फ + मैन्कोजेब अथवा फैनामिडान + मैन्कोजेब में से किसी एक सम्मिश्रण फफूदनाशी का 3.0 ग्राम प्रति लीटर की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें। रोग की अत्याधिक तीव्रता बढ़ने पर ऊपर दिये गये किसी एक सम्मिश्रण फफूदनाशी का 10-15 दिन के अन्तराल में पुनः छिड़काव करें लेकिन किसान भाइयों से अनुरोध है कि एक सम्मिश्रण फंफूदनाशी का एक बार ही छिड़काव हेतु प्रयोग करें। सम्मिश्रण फंफूदनाशी के छिड़काव उपरान्त रोग की तीव्रता कम होने पर आवश्यकतानुसार मैन्कोजेब नामक फंफूदनाशी का 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।
अमरूद	अमरुद में, मिलीबग्स प्लेनोकोकस या फेरिसिया विरगाटा का प्रकोप होने पर, बुप्रोफेज़िन का 2 मिली/लीटर या इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एस एल या थियामेथोक्जाम 25 डब्ल्यू डी जी का 2 ग्राम / 5 लीटर पानी की दर से छिड़काव करें। छिड़काव मौसम साफ होने पर करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	भैंस के उपर छोटी-छोटी मक्खी बहुत अधिक लगने पर, 100 मिली नारियल के तेल में 10 ग्राम पिसी कपूर मिलाकर फेंटे, फिर दिन में चार बार लगाए। इस बदलते मौसम में नवजात पशुओं में निमोनिया की संभावना ज्यादा रहती है। इसलिए पशुओं की आवास व्यवस्था को सुदृढ़ करें व आहार में गर्म चीजें दें। पशुओं को सर्दी से बचाने के लिए बिना पानी में मिलाए ही गुड़ के साथ अजवाइन का सेवन कराना चाहिए। यह उन्हें गर्मी और ऊर्जा देता है।

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	यदि गर्भवती गायों में परजीवी घुन/जूँ या कीलनी का प्रकोप हो तो आरएक्स बोटॉक्स का 15 मिली लेकर 7 लीटर पानी मे मिलाकर सूती कपड़े से लगाए। इस बदलते मौसम में नवजात पशुओं में निमोनिया की संभावना ज्यादा रहती है। इसलिए पशुओं की आवास व्यवस्था को सुदृढ़ करें व आहार में गर्म चीजें दें। पशुओं को सर्दी से बचाने के लिए बिना पानी में मिलाए ही गुड़ के साथ अजवाइन का सेवन कराना चाहिए। यह उन्हें गर्मी और ऊर्जा देता है।